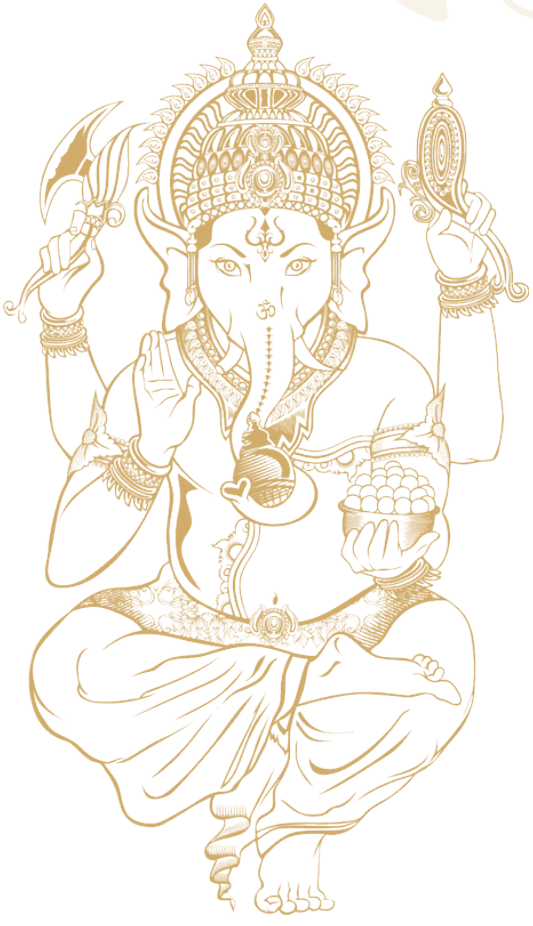

Premchand

20 Jan 1968

11:51 AM

Sawai Madhopur River

Model: web-freekundliweb

Order No: 119134704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/01/1968**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:51:48 घंटे**
इष्ट	11:37:47 घटी
स्थान	**Sawai Madhopur Ri**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:00:00 उत्तर
रेखांश	76:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:27:40 घंटे
वेलान्तर	-00:10:49 घंटे
साम्पातिक काल	19:22:30 घंटे
सूर्योदय	07:12:41 घंटे
सूर्यास्त	17:57:19 घंटे
दिनमान	10:44:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:56:50 मकर
लग्न के अंश	04:37:00 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:37:00	469:02:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	05:56:50	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	02:59:45	13:47:25	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	15:08:56	00:46:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध			मक	19:57:04	01:38:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	11:12:44	00:05:17	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:48:38	01:12:58	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			मीन	13:52:49	00:04:15	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		मीन	29:06:09	00:03:09	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	29:06:09	00:03:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	05:47:26	00:00:53	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
नेप			वृश्चि	02:48:57	00:01:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	29:22:55	00:00:48	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			धनु	25:44:27	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:18:33

लग्न-चलित

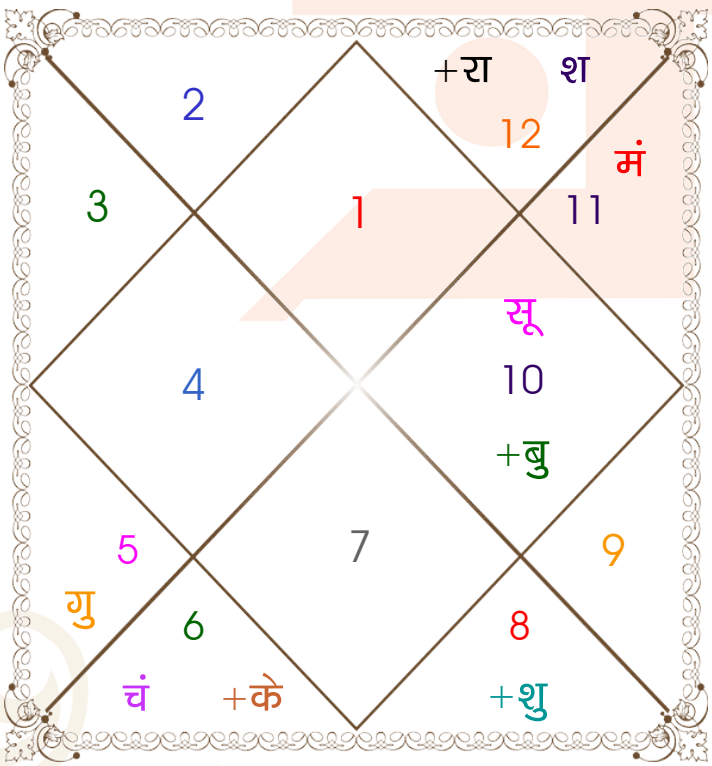

चन्द्र कुंडली

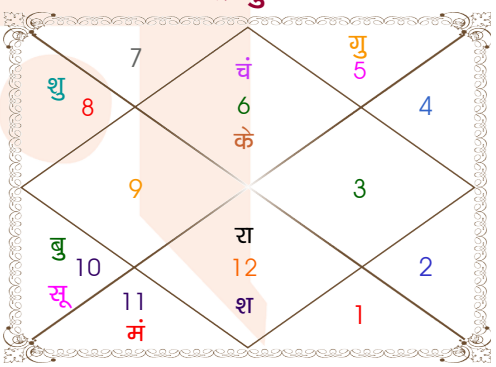

नवमांश कुंडली

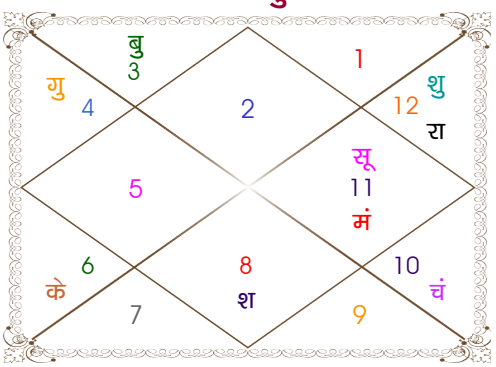

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 1 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/01/1968		16/03/1971		16/03/1981		15/03/1988		16/03/2006	
16/03/1971		16/03/1981		15/03/1988		16/03/2006		16/03/2022	
	00/00/0000	चंद्र	15/01/1972	मंगल	12/08/1981	राहु	27/11/1990	गुरु	03/05/2008
	00/00/0000	मंगल	15/08/1972	राहु	30/08/1982	गुरु	21/04/1993	शनि	14/11/2010
	00/00/0000	राहु	14/02/1974	गुरु	06/08/1983	शनि	26/02/1996	बुध	19/02/2013
	20/01/1968	गुरु	16/06/1975	शनि	14/09/1984	बुध	15/09/1998	केतु	26/01/2014
गुरु	21/01/1968	शनि	14/01/1977	बुध	11/09/1985	केतु	03/10/1999	शुक्र	26/09/2016
शनि	02/01/1969	बुध	15/06/1978	केतु	07/02/1986	शुक्र	03/10/2002	सूर्य	15/07/2017
बुध	08/11/1969	केतु	14/01/1979	शुक्र	10/04/1987	सूर्य	28/08/2003	चंद्र	14/11/2018
केतु	16/03/1970	शुक्र	14/09/1980	सूर्य	15/08/1987	चंद्र	25/02/2005	मंगल	21/10/2019
शुक्र	16/03/1971	सूर्य	16/03/1981	चंद्र	15/03/1988	मंगल	16/03/2006	राहु	16/03/2022

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/03/2022		16/03/2041		16/03/2058		16/03/2065		16/03/2085	
16/03/2041		16/03/2058		16/03/2065		16/03/2085		00/00/0000	
शनि	19/03/2025	बुध	12/08/2043	केतु	12/08/2058	शुक्र	15/07/2068	सूर्य	03/07/2085
बुध	27/11/2027	केतु	09/08/2044	शुक्र	12/10/2059	सूर्य	15/07/2069	चंद्र	02/01/2086
केतु	05/01/2029	शुक्र	09/06/2047	सूर्य	17/02/2060	चंद्र	16/03/2071	मंगल	10/05/2086
शुक्र	06/03/2032	सूर्य	15/04/2048	चंद्र	17/09/2060	मंगल	15/05/2072	राहु	03/04/2087
सूर्य	16/02/2033	चंद्र	14/09/2049	मंगल	13/02/2061	राहु	16/05/2075	गुरु	20/01/2088
चंद्र	18/09/2034	मंगल	12/09/2050	राहु	04/03/2062	गुरु	14/01/2078		00/00/0000
मंगल	27/10/2035	राहु	31/03/2053	गुरु	08/02/2063	शनि	16/03/2081		00/00/0000
राहु	02/09/2038	गुरु	07/07/2055	शनि	19/03/2064	बुध	15/01/2084		00/00/0000
गुरु	16/03/2041	शनि	16/03/2058	बुध	16/03/2065	केतु	16/03/2085		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।